## विष्ण ।



## মহর্ষি ঐকৃষ্ণদৈপায়ন প্রণীতম্।

শ্রীপ্রাপাদ শ্রীধরস্বামিক্ত ভাবার্থদীপিকা টীকা শ্রীশ্রীপৃজ্যপাদ জীবগোস্বামিক্ত ক্রমদন্দর্ভ শ্রীশ্রীযুক্ত বিশ্বমাথ চক্রবর্তিকৃত সারার্থদর্শিনী টীকা সমেতং

শ্রীরামনারায়ণ বিদ্যারত্ব কৃতানুবাদসমেতঞ্চ ত্রিপুরাধীশুর শ্রীমমহারাজ বীরচন্দ্র বর্ম মাণিক্যস্য দম্পূর্ণ দাহায্যেন মূল্যং বিনা বিতরিতব্যং।

তৃতীয়স্কন্ধঃ

মুর্শিদাবাদ

শহরম্পুর রাধারমণ্যত্ত্রে

জীরাদনারায়ণ বিদ্যারত্বেন প্রকাশিতং।

**न्**क्तिस्व

नव १६७१। जीवी ।

## তৃতীয়ক্ষরের অশুদ্ধ সংশোধন।

		मृल।		পৃষ্ঠা	পঁক্তি	অশুদ্ধ	শুক
				ર	2	. <del>पूर्</del> काथन	হুৰোধন
পৃষ্ঠা	পঁজি	व्यक्त स	শুক	٥	•	ककूमानि	কুকুমানি
ર	•	कर्त्	ক্তু	¢	¢	८म् छ।	(बंहे।
Ŀ	>	ইভাচিয়ান্	<b>ই</b> ভূচিবাদ্	4	8	শ্ধন্	अंत्रन्
1	9	অধিষ্ঠতো	অধিষ্ঠিতো	ъ	v	অসম্বত	অসংস্কৃত
36	٥	মীশিত '	<b>দী</b> শীত	> 0	٩	কামং	শ্ৰৱং কাম্ং
>>	>	मानिश्वदर्भ	<b>कां</b> निमर्त	>>	9	<b>मर्जना</b> ९	मर्जू नांद
৬৪	>	চেশ্চতাহং	<i>শে</i> চভাহং	50	5	গহুবভাঃ	গরুৱতা অনুস্ভা:
90	\$	বিশদায়া	কিশদাশসা	२ऽ	ર	নিপ্না:	নিপুণা:
9.	. 8	বিসন্তি	বিশ <b>ত্তি</b>	25	8	वाञ्चावानदवा	व्याश्वायाम्य
95 .	ર	नमक्ष्य	নশকুষ	२२	ર	অতো হবিতৃপ্তা	কোনো হরিবিতাপেক্ষরা
5 · ¢	<b>\$</b>	·বিষ্চ	বিরুঢ়				মাহ প্রদর্শেতি ন ভ্রঃ
520	,	মালিনী	মালিনি				তপো থৈঃ অভোহবিতৃপ্তা
১৬৮	•	(प्रथंत्रज्ञनः	८ थ न ग्रमा नः	83	5	ব্দাদান	ক্ৰদাদীনা
४५७	t	অভিকরী	সাজাকরী	a b	¢	ব্যপারা	- ব্যাপারা
722	t	ননিদেশান্তি	মন্নিদে শংক্তি	¢ >>	9	<b>কৃতবতার</b>	<b>কৃতা</b> বতার
<b>२</b> २8	ર	वानाव	्रकामा <b>त</b>	60	৩	পুরুষধ্যা	পুরুষাখ্যা
१७७	¢	প্রাণেছ	েপ্রণেছ	95	٩	অধুনা	অন্হাঃ
र ७४-	•	হেমবিরীট	<u>ছেমকিরীট</u>	92	৬	যশ্বাহন্ত	যশাস্ত্ত
१ १४	ર	পরিরোচ্	পরিবোঢ়ু	24	9	<b>মার্গান</b>	<b>मा</b> र्गान्
१६७	¢	निभग्राख ं	নিশাস্থ্য	>0%	৬	ক্মিপ্তং	ক্ষিপন্তং
<i>৬</i> ৬	¢	विवनरेंग पूर्हः	विषयि प्रि	>>0	Œ	<b>था</b> रनन	-धार्य
१৯२	8	शृहरमधीवू	গৃহমেধিষু	228	2	কররাম	করবাম
<i>چ</i> • ر	t	ছ্ধুনিপাত	ছাধুনীপাত	>>>	3	উক্তং	[উক্তংহি
98	2	<b>ख्रश्चरा</b> र्ग!	क्रश्रेवश्रेटणा	500	ъ	কাল	কালঃ
340	Ъ	<b>ভ্ৰম্</b>	<b>क्ष</b> नग्रः	509	2	<b>সাব</b> বনং	মাবরণং
<b>૭</b> ৬૨	<b>ર</b>	कर्षातियः	কর্মদোবৈঃ	585	· a	লোকাকি:	লোকোকি:
99.	₹ .	প্রাপ্রাভীহা •		1			
884	đ	<b>छं</b> नृत्म	তাদ্শে	>98	8		মি, বালাদ্যবস্থা বা। করি
				269	6	মীচূষে বৰ্মক	মীতুষে কৰ্ম-জি
				296	8	বর্ণয়ন্তি	বর্ণয়ন্তি জিলালন
		State of the state		\$ 7 × 8	9 \\	বিকসন্তঃ	বিকসস্ত্যঃ
							, আবাং কগটো ১০০/১০
				304	2	তৈ দৃষ্টং ইতারে	ेट <b>ज्</b> रिहर
		সামী।		२२ <i>५</i> २२७	3	্থভারে দপরধচিতাং	ইতরে
				२२०	8	দপরবাচতাং বেদমর্গো	দপরাধোচিতাং
3	9	লক্ষণংভয়া	লকণত্যা	1			বেদ্যার্গো
3	9	गक्षम ,	नक्षमः	२७२	•	যুগ্নকৌতুকং	যুদ্ধকৌতুকং
3	*	निर्द्शभः	निर्मि भा	२ं०४	3	<b>मि</b> शंखाय	े नि श्कटय

পৃষ্ঠা	পঁক্তি	<b>অশুদ্ধ</b>	শুদ্ধ	পৃষ্ঠা	পঁক্তি	অশুদ্ধ	শুদ্ধ
રંગα	৬	<b>শাহি</b> তা	সহিতা	Þ٥	૭	স্প্ধৰ্ম	স্বাস্থ ধর্মঃ
₹8•	•	বিশেষ তন্ময়ঃ রজা	বিশেষঃ তন্ময়রজ্জা	P.C	¢	ররিলুপ্তা	র <b>বিলুপ্তা</b>
₹88	>	প্রাপস্থসি	প্রাপ্যাসি	৯১	৩	कीरत्छ। कान	<b>जीरवेठ।</b> यद्या अत्त
<b>२</b> ८७	2	ভুরক্ষণার্থং	ভূরক্ষণার্থং	226	٩	কপ্রিলো	কপিলো
₹48	<b>S</b>	জ্বনয়ো	ष्वनन् (श	226	> 0	তমিদং	তদিদং
११२	, 2	क्रवप्र	क व ग्र	224	9	ম্যেশ্ব	<b>মব্যেৰ</b>
299	•	ধিগন্যরবকামুকং	ধিগন্যরবকামুকং	<b>3</b> %•	>	ব্ৰজ্চধ্য	<b>बक्कर</b> र्ग
160	9	ব্যক্তিরিক্ত	ব্যতিরিক্ত	১৬৬	٦ ۽		পরমাত্মানাদরেণ
<b>1 1 1 1 1 1 1 1 1 1</b>	8	मञ	मञ्	১৬৬	ર		, স্বত এবাস্থানাদরাৎ
be		শ্ব। রথান্তরে	ন্থ। রথস্ভরে	590	ર	স্বভাবেপি	স্বভাবোপি
)• <b>૭</b>		রবা <b>ত</b> রে ভহি		393	٠ ١	নরভূব	नवज्र
	æ		ভহি	320	8	<sup>ন্ত্ৰ</sup> যেত্বেতি	
0 • 8	C	পৰ্য্যান্ধাদি ভিশ্চ	পৰ্য্যক্ষাদিভিশ্চ	>200 >200 >200 >200 >200 >200 >200 >200			ষেত্তে যুগাকং
07.0	2	ব্ৰ <b>ন্ধ</b> বদিতি	ব্ৰন্ধবিদিতি		<b>ર</b>	नम्बूः	नामध्ः
028	2	মাকাৰী	মাকাষী :	२১१	\$	গুরুণামপি	গুরুণ†মপি
008	ь	<b>य</b> न विष्ठी ज्नाः	<b>ञ</b> न <b>धिष्ठी जू</b> नाः	२५१	Œ	স্বপ্নং	স্বাপ্নং
98२	3	মাতে সাথ্যং	মাত্রে সাংখ্যং	२३४	2 @	তয়োলভ্যমানত্বে	তয়োপলভামানকৈ
)8२	9	তক্ষায়ং	তত্বাশাসং	२३४	, २१	রিজ্যতেবা বীত	রিক্যতে বীত
000	8	<b>मिनियुक्</b> रिश	মি ক্রিয়রূপেণ	२७७	b	ত্যোবেরা ভাবা	তয়োটের্বরাভাবা
ေ	•	নাড্যাদিছিদ্র	নাড্যাদিছিত্র	२७७	26	বিগীত <b>মা</b> প	বিগীতমপি
<b>্</b> ৬৫	<b>ર</b>	প্ৰতিৰিশ্ববোগাৎ	প্রতিবিদ্বাযোগাৎ	२१२	. 9	পরমার্য্য	প্রমাচার্য্য '
05€	•	অভাগে	আভাগো	२४५	®.	त्रवनानगावः	<b>ৰ</b> রদানমাত্রং
			<b>कृ</b> ष्टेश् <b>खः</b>	२৯१	2	ক্বশকাশা	কুশকাশা
৬৬	9	मृष्टीर <b>ञ</b>		020	>	<b>উদ্বা</b> মচেত্যাং	উদামচেত্সাং
9•	9	অনিমাদি	অণিমাদি	050	2	यानि यानि	यांनि यानि
93	2	অতোষ্টাঙ্গ	তভোষ্ঠাঙ্গ	७२•	2	তানিতান্যের রূপা	ণি তানি তান্যেব রূপাণি
293	2	কপ <b>েন</b> )	কপোলো	I	८य	াগ্যানি নাভানীত্যর্থ	। তব অভিরূপাণি যো
) b- 0	ં ર	হরেহ1দঃ	হরেছ বিং	ļ			के गानि नायानी ठार्थः
240	5	প্রস্থীনিবৃত্তি	প্রবৃত্তিনিবৃত্তী :	•		ব অভিন্নপাণি যোগ্যা	V 1 2
305	৬	ভূভান্যন্তি	ভূতান্যন্তি	1		ভানীতার্থঃ	Yk et
3 <b>• 8</b>	9	স্হিত্যা সম্বন্ধিনী	ন্ সহিত্ত দেহত সমন্ধীনি	०२२	3	প্রাকৃতের্মায়ায়াঃ	প্রকৃতেশ্বায়ায়া:
828	,	পঞ্চিভূৱৈ	পঞ্চিভূ তৈ	೨೦೦	\$	নৈপুণ্যমিতি	নৈপুণমিতি
8 <b>२</b> ৮	ું હ	ग्व मृजः	ব্ <b>ৰামৃতঃ</b>	૭૭૨	•	ন্ডেভ্যোপুৎকৃষ্ট	কেভ্যোপ্যৎকৃষ্ট
		সংগ্রাপ্য	সং <b>প্রা</b> র্থ্য	288	9	<b>उन्द्रश्चिन</b>	তদমুস্তিন
602	3	गरव्या १)	गंजाय)	200	8		
				200	>	রাধা <b>নপূর্ব্বক</b> রীশ্ব <b>ত্বে</b>	া রাধনপূর্ব্যক বীখরত্বে
		मन्मर्ज्ः ।		296	•	<b>भो</b> गिर्ग	<b>८भो</b> षा
				లసం	ર	জ্ঞান কৰ্ম্ম মিশ্ৰ	জানকর্মান্ত্রা
S	2	স্বরদিতি	শ্বয়দিতি	<b>ు</b> న¢	20	गिकाक <b>र्छ</b>	निमाकर्कुः
20	8	ভববদ্যুহ	<b>७गववृ</b> ग्रह	989	8	भगा <b>नग्र</b>	<b>ममा। प्र</b> ः
>0	a	ऋष्ठी	<b>रहे</b> ।	85 <b>४</b>   82 <b>8</b>	8	ভবতুল্যেন ঈক্ষতেত্যৰ্থঃ	<b>ভবত</b> ুল্যেন উল্লেখ্য
43	গু	যাদভ্যো	যাদবেভ) া	8,5/2	3	সক্ষতে ভাৰঃ <b>স্তথাবভাবতি</b>	<b>ঈক্ষেত্তে</b> জ্যৰ্যঃ <b>স্তথাবভ</b> াতি
₹8	<b>ર</b>	স্বভাবরজ	সভাবজ	882	3	<b>बहुद</b>	<b>अवायक</b> (()
82	•	হ্পারতে	<b>হ্পরতে</b>				- T

		চক্রবত্তী ।		পৃষ্ঠা	পঁক্তি	অশুদ্ধ	শুদ
er <del>/</del> 1	পঁতি	CATIVADA CAT	শুদ্ধ	১৮৬	9 3	<b>স</b> এব	<b>য</b> এব
পৃষ্ঠা	1116	অভন	. ওৰা	১৯২	9000	<b>गा</b> शः	<b>गा</b> खिः
25	. 6	<b>তদ্</b> ভ্য	তদৃগ্ভা	२১१	70	<b>मुक्त</b> ञ्	<b>म्कं</b> ञ
> €	ъ	<b>करे</b> च्य	্ এক <b>ইস্থ</b> ৰ	<b>२</b> २8	8,16	ংঋষিণাং	अयोगार
⇒ œ	ь	. ८ थना	<b>८थ</b> ८म <b>।</b>	२०৮	E.C.	<b>ৰিশেদ্বিধাভূতং</b>	বিশেদ্বি <b>ধাভূতং</b>
88	8	<b>ेर</b> हेरा मिनी	रहे। भी नि	২৩৯	2.8	বাহিতত্বং	বাহিতভাৎ
8 @	•	জত্ব	জড়ত্ব -	२8२	4	- মীত্যভার্থঃ	মীত্যৰ:
3	20	नामि ७:	नापि ७:	₹8₡		অহত	অহত 🕫
\$ 2	20	খিয়া তথা তথা	ষভা ভভা	२७১	- 2	রোহর্ষণ	রোমহর্ষণ
18	2	উদ্ধবাৎ প্রাপ্য	<b>উদ্ধবাদ</b> প্রাপ্য	२४२	y	<b>निगानियमञ्जा</b> ९	निगानियम <b>ञा</b> ९
9 €	a	প্রকাশান্তরে	প্রকাশাস্তরেণ	200	¢	রপবিদেশযণং	রূপবি <b>শে</b> ষণং
37	ನ	गृ <b>रीगीः</b>	গৃহিণীং	270	2	মরা তস্যা	যয়া ত্ৰা
५२	्रे	<b>শি</b> ন্ত্য <b>ত্র</b>	<b>মি</b> 'ডাত্র	७२১	ર	প্রকৃতত্বাৎ	প্রাকৃতঘাৎ
৬৬	br	नित्रः	नित्रः	<b>૭</b> ૨૨	۵	সভ্যলৌকিকেসতি	সত্যলৌকিকেভি
90	» <b>1</b>	স <b>তি</b>	<b>মিতি</b>	<b>૭</b> ૨8	Œ	দৃগ্দষ্টি	<b>मृ</b> रम् ष्टि
<b>y</b> •		' দাৰ্ব্বিণিক্যেতি	সার্ব্বর্ণিক্যেবেতি	೨೨۰	2	<b>মন</b> নুসহিতং	মনসুসংহিতঃ
<b>५</b> ०	2	বাঙ্মনস সংশ্লেষ	ৰাঙ্মনঃ সংশ্ৰেষ	೨೦৮	5	মুন্দধীভি	<b>मन्त्रधी</b> छि
	· .	•		೨೨৮	2	মক্তিমেব	<b>मू</b> किरमव
マラ	9	স্থলং তত্বেন বতো	স্থনন্তত্বেন বিত	७०৮		র্ভক্তিজনান্	<b>डिक्बनान्</b>
55	<b>b</b>	ब्रुम <b>ि</b> ख	द्यामाटेज	७७৮	\$ 0 \$ 10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	হীনাপি	<b>री</b> नानशि
5 ° 8	1 K b	গতোপি তভোপি	ু গুতোপি তরিক <b>ট</b> ু	989	9	ग <b>रा</b> नानि	ग्रहता मि
		তল্লিকট	ग्रद्धार जान्यक	285	9 .	তত্ত্বে বিব্ধ সংক্ষনেন	তত্ত্ব বিবিধ সংকল্পনেন
১০৬		পি <b>তাম্ব</b> রেণ	পীতাম্বরেণ	908	311.7	<b>डाननः</b>	होनार <sup>्</sup> होनार
52.	9	তথভূত:	তথাভূত	969	1 . a he		,
223	·	<b>म</b> ष्ठदन	नर्फ <b>ान</b>	২৬৯	2	চরিতবন্তাক্তা	ক্ণাদেব যুক্তেভ্যো চর্কিতবত্যকা
ડેર <b>લ</b>	9	ব্ৰাহ্মণো	ব্ৰহ্মণো	095	Œ	হৈন ভগো	লৈ ভাগো বৌ ভাগো
				৩৮৬	ં	উকান্মুৎ	জন জাগে। উন্মুকাৎ
े २ <b>१</b>	p.	রস্ত্	রস্তজ্	৩৮৯	৬	च्यात्रीय च्यात्रीय	अभूरार स्रिमित
202	৬	বদেত্যর্থ: ॥	বদেত্যৰ্থ: ॥২	925	2	যগে । যস্তাম বুদ্ধি	
202	৬	দ্যোতিতং ॥২	দ্যোতিতং।	৩৯৭	e	বক্তুপদ্ম <b>।</b>	यगाञ्चत् दिः
202	9	পুতেন	পূতেন	৩৯৭	ъ	पञ्चामम मञ्चानम	পদ্মবক্ত্র।
282	8	ভগবছুক্তিত্বাৎ	ভগবচ্ছক্তিত্বাৎ	೨৯৯	8		नगामग्रः
505	2	<b>ৰি</b> পরাদ্ধ সংজ্ঞাং	विপतार्क मःछः			নিরস্তর: কর্ম	নিরস্তর কর্ম
569	5	<b>অ</b> ারির্ভাব	আবিৰ্ভাব	৩৯৯	ъ	জীবা শ্রেষ্ঠা	জীবা: শ্রেষ্ঠা
३ ५२	۵	ষড়জাদয়ঃ	गङ्कानमः	00.0		ততোপ্যপরং	ততোপ্যপর:
2 % 20	٥	অমুপলান্তেন	অনুপালস্তেন	889	2	মাতুদেহাধীন	মাতৃদে হাধীন
59•	9	<b>ব</b> রাহচ্ছদেতি	বরাহচ্চ <b>েল্ল</b> ভি	888	۲ .	স্ত ইতি ১১————	স্বত ইতি
১৭২	9	- वि <b>मा</b> त्रतम्	বিদারয়ন্	84.	ર	देश्रेमावकूथः	देवकूर्श्वनाथः
১৭২	స	হিরণ্য <b>েকা</b>	হিরণ্যাকো				
598	2	পূর্ব্ব ক্রিয়তে	পূৰ্বং ক্রিয়তে			2,000	
396	ь	<b>সারার্থ</b>	ইতি সারার্থ				
273	8	পুৰোৎপটন্ত	পুতোৎপত্ত্যৈ				
	_	A. H. L. L. A.	44-11 1 100)	1			

		ভাষা 🖟		পৃষ্ঠা	পঁক্তি	অশুদ্ধ	শুদ্ধ
পৃষ্ঠা	পঁজি	অশুদ্ধ	<b>***</b>	202	6	মনিগণ	মুনিগণ
33	22	<b>ए</b> हेग्र।	वरेष	२७२	22	ৰ্পাহা	ভাইা
8.	₹.,	टेमखरग्रत	देगाळाड्य इ	200	4	ভর্ম্বর	ভয়শ্ব
8•	<b>₹</b> ,	<b>म</b> हश्री <b>नी</b>	यदीयमी	209	1.00	পরি তাগ	পরিত্যাগ
49	<b>b</b>	ভগরানের	ভগৰাদের	292	•	<b>अ</b> त्राधती	ধরাধারী
49	•	অপনাকে	আপনাকে	२८१	•	<b>यटक</b>	<b>यू</b> एक
69	9	মহা <b>ত্মের</b>	<b>শাহাত্ম্যের</b>	₹€•	₹ .	প্রাকারে	প্রকারে
৬৯	5	করিতেছে	ক্ <b>রিতেছ</b>	२६०	•	নিরাপরাধ	নিরপরাধ
96	. 3	श्वमा विष्ठित	<b>ব</b> দয়াবঁচিত্র	२৫२	¢	আপাঙ্গ	অপাঞ্
<b>b</b> •	9	वक्रणापि	্ৰাহ্মণাদি	२७७	<b>b</b>	বলিল	<b>विन</b> न
bb b	. 21	वाक्तिरहरक	ব্যতিরেকে	२७৯	۶	वींनादरकान	नीनावतनाकन
<b>३</b> २	4	ব্যক্তিরেকে	ব্যতিরেকে	२৮१	•	কুবর	কুর্ব
७२	8	নারারণ	নারায়ণ	२ क 😉	3 •	<b>ৰৎ</b> শ	বৎদে
9 <del>5</del>	30.	जन <b>्क्रां</b> पि	গ্নৎকুমারাদি	900	<b>&gt;</b>	বিশ্বিদ	বিশাদ
82	à .	শছুর্ত্ত	<b>मृ</b> ङ्ख	955	8	<b>ভা</b> মতা	জামাতা
88		শাবান শাবান	সাবন	003	à	<b>अ</b> त्न खन्न	তদনস্তর
84	¢	<b>পত্যযুগের</b>	ত্ৰেতাযুগের	990	, 9	<b>इ</b> हेक	হউক
36	•	কর্মাণুসাবে	কর্মান্থ্যাবে	998	•	শৃক্	मह्य
۵۵	8	<b>आयूर्श</b> नाय	আ্যুর্গণনার	045	ર	পরে	পারে
es	•	नीनलिहिङ	<b>নীললোহিত</b>	95¢	•	প্রাপ্ত	প্রাপ্ত
७१	t	উদার্থে	উদারার্থে	828	9	ক্রপের স্তাহ	ক্পের ভাষ
64	6	वराष्ट	বরাহ			dellaps/examing	
b २	•	অমি	আমি				
95	Æ	অনন্দাহভব	আননামুভব				

পষ্ঠা	ŧ
101	1

> অধ্যায়ে। গতায়ুঃ বন্ধ্বান্ধব পরিত্যাগ পূর্দ্ধক নির্গত বিদ্রের উদ্ধব সহ সম্বাদ॥

২ অধ্যারে। জ্রীক্লফের বিশ্লেষ নিমিত্ত শোকার্ক্ত ছইয়া বিহুরের নিকট উদ্ধব কর্তৃক প্রীক্লফের বালচরিত্র বর্ণন। ১৮

ত অধ্যায়ে। ক্রিকণ বজপুর ছইতে মথুরায় আগমন করিয়া
বে সকল কংসালি বধ কার্য্য করেন এবং ছারকাপুরীতেও যাহা
বাহা করিয়াছেন তৎসম্দায় উদ্ধব কর্তৃক বিহুরের নিক্ট
বর্ণন ॥

৪ অধ্যায়ে। বিছরের নিধন বার্ছা শ্রবণ করিরা আত্মজান লাভার্থে উদ্ধবের উপদেশ ক্রমে মৈত্রেয় নিকট গমন॥ ৪০

৫ অধাারে। বিছ্রের প্রশে মহামুনি নৈত্রের কর্ভ্ক ভগ-ৰানের লীলা এবং মহদাদি ছাষ্ট বর্ণন তথা শ্রীক্ষাঞ্র ভব ॥ ৫৩

ভ অধ্যায়ে। সহভ্জানি দেৰগণের অভ্তরে প্রবেশ পূর্বক বিরাট মূর্তির স্ষ্টি এবং ভগবান্ কর্তৃক অধিদৈবাদি বর্ণন ॥ ৭৩

ণ অধ্যায়ে। মৈত্রেয় মুনির সংশয় ছেদক বাক্য শ্রবণ করিয়া অভিনন্দনা পূর্বাক বিছর কর্তৃক পুনর্বার নানাবিধ প্রশ্ন

৮ অধ্যায়ে। জলশায়ি ভগৰানের নাভিপন্ন হইতে ব্রহ্মা উৎপন্ন হইয়া তাঁহাকে জানিবার নিমিত্ত জলে মন্ন হয়েন কিছু ঘাহাতে তাঁহার কিছু অন্ত না পাইয়া সভর চিত্তে ভপ্তা দারা ঐ ভগবানের ভব করেন॥

৯ অধ্যায়ে। ভপতা দারা ভগবানের পরিতোষ অবলোকশ করিয়া স্পৃষ্টি বাদনায় ব্রহ্মা কর্তৃক ভগবানের স্তৃতি॥ ১১১

১০ অধ্যায়ে। কাল বিষয়ক প্রশ্নের উত্তর দানার্থ প্রক্র-তাদি ভেদে ঐ কালোপপন্ন দশবিধ স্প্রতিবর্ণন ॥ ১৩১

১১ অধাারে। প্রমাণু প্রভৃতির লক্ষণ দারা কালের নিজ-পণ এবং যুপ সম্বন্ধরাদি হইতে কল্লমানাদির ভেদ বর্ণন ॥ ১৩১

১২ অধ্যায়ে। ত্রন্ধার স্থাষ্টি বর্ণন ॥ ১৫২

১৩ অধ্যারে। ত্রন্ধার আদেশান্ত্সারে স্বায়ন্ত্ব মন্ত্র লোক স্ফানার্থ প্রান্ত চ্ইলে বরাহদেব কর্তৃক জলমগ্রাধরার উদ্ধার এবং আদিদৈত্য হিরণ্যান্দের বধ স্চনা। ১৬৪

১৪ অধ্যায়ে। দিতির প্রার্থনা ক্রমে কক্সপ সকাশাৎ সন্ধা।
কালে তাঁহার গর্ব্বোৎপত্তি॥ ১৭৯

১৫ অধ্যায়ে। দিতির গর্ত উৎপর হওয়াতে ভদ্বারা দেবগণ হতপ্রভ হইয়া ব্রদাকে জিঞাদা করেন তাহাতে ব্রদা কর্তৃক বৈকুর্ভস্থ বিফুভফ। দ্যোম বিপ্রশাপাদির বৃত্তান্ত বর্ণন॥ ১৯

১৬ অধ্যারে। ভগবান্ বৈকুণ্ঠনাথ কর্ত্ক শান্তত হইয়া বিপ্রার্কের দারপাল দ্যের প্রতি অনুগ্রহ এবং তাহাদের বৈকুণ্ঠলোক হইতে অধঃপঞ্চন । ২১৯২

## পৃষ্ঠা।

১৭ অধ্যায়ে। ভগবং পার্ষদ দ্বারে অন্তর রূপে ভয়ঙ্কর জন্ম এবং হিরণ্যাক্ষের দিখিজার॥ ২০৫

১৮ অধ্যায়ে। ধরার উদ্ধারকারি বরাহদেবের সহিত হিরণ্যাক্ষের যুদ্ধ॥ ১৪২

১৯ অণ্যায়ে। ব্রহ্মার প্রার্থনায় আদিবরাহ কর্তৃক হির-ণ্যাক্ষ বধ॥ ২৫২

২০ অধ্যারে। বরাহ জন্মাদি বর্ণন নিমিত্ত স্ক্টি প্রকরণ কথনের ব্যবধান হইরাছিল, এ প্রযুক্ত পুনর্কার প্রথ্মাব্ধি স্বায়-স্ত্র মন্ত্র বংশানুস্মরণ॥ ২৬১

২১ অধারে। ভগবানের প্রসাদে কর্দমঝ্রির মন্ত্রকন্তা দেবহুতির সহিত বিবাহ ঘটনা॥ ২৭৫

২২ অব্যারে। স্বায়স্ত্র মন্থ কর্তৃক ঋষিবর কর্দমের হতে ভগবানের আদেশাত্রপ কন্তা সম্প্রদান। ২৯০

২০ অধ্যায়ে। তপঃ প্রভাবে নির্দ্মিত বিমানে কর্দম ও শেবছতির রতিক্রীড়া॥

২৪ অধ্যারে। দেবছ্তির গর্ব্তে কপিলদেবের জন্ম এবং তাঁছার অনুমতি ক্রমে কর্দদের প্রভাগের গমন। ৩০৪

২৫ অধ্যায়ে। ভগৰান্ কপিল জননী কর্তৃক জিজ্ঞাসিত ছইয়া প্রথমত: বন্ধন মোচনকারি অভ্যুৎকৃষ্ট ভক্তি লক্ষণ বর্ণন করেন, এবং ঐ ভগৰান্ ৰোগরূপ মাণিক্য মঞ্যা (পেটরা) গূঢ় ভাৰ দারা আৰদ্ধ করিয়া যে মাতাকে সমর্পণ করেন এক্ষণে স্পষ্ট রূপে তাহারাই উল্যাটন করা হইতেছে॥ ৩২৬

২৬ অধ্যারে। প্রকৃতি প্রবের বিবেচনার্থ মহদাদি তত্ত সকলের উৎপত্তি ভেদে সাংখ্য বোগ কথন ॥ ৩৪২

২৭ অধ্যায়ে। বহু বহু সাধন যোগ বশতঃ পুরুষ ও প্রকৃতির বিবেক দারা মোক্ষরীতি বর্ণন ॥ ৩৬১

২৮ অধ্যায়ে। ধ্যান শোধিত অষ্টাঙ্গ যোগ দ্বারা সর্ব্বোপাধি বিনিম্মুক্তি স্বরূপ জ্ঞান কপন॥ ৩৭১

২৯ অধ্যারে। বহু প্রকার ভব্তিদোগ এবং বৈরাগ্য উৎ-পাদনার্থ কালের বল ও ঘোরতর সংসার বর্ণন ॥ ৩৮৭

৩০ অধ্যায়ে। অধর্ম দারা কায় কান্তাদি ভরণ পোষণার্থ ব্যগ্রচিত্ত কামি পুরুষদিগের ভামদী গতি বর্ণন ॥ ৪০৩

৩১ অধ্যায়ে। মিশ্রিত পাপ পুণা দারা মনুষ্যধানি প্রাপ্তি রূপ রাজদী গতি বর্ণন ॥ 8১১

৩২ অণ্যায়ে। সাজিক ধর্ম দারা উর্দ্ধ লোকে গতি ও তত্ত্ব জ্ঞানবিহীন ব্যক্তির পুনরাবৃত্তি বর্ণন ॥ 8২৭

৩৩ অধ্যারে। ভগবান্ কপিলের উপদেশে তদীয় মাতা দেবছতির জ্ঞাদ লাভ এবং জীবন মুক্তির বিষয় বর্ণন ॥ 8১৪